अगले अंक में:

.ग्रामीण विकास में भदोही विधायक की भूमिका – सफल य़ा असफल

भदोही दर्पण (फार्फ)

भदोही जनपद को समर्पित ई-पत्रिका (वर्तमान समाज व् विकास का सच्चा आइना)

भदोही के ग्रामीण विकास मे फार्फ की भुमिका - चुनौतियाँ और समाधान

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा

गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एक सशक्त समाज की नींव होती है। फार्फ संस्था ने इसी बात को ध्यान मे रखते हुये भदोही क्षेत्र मे आर्थिक रूप से पिछड़े करीब 40 बच्चों को 2017 से अब तक ईंग्लिश मीडियम स्कुल मे दाख़िला कराकर बच्चों के ख़र्चे और अच्छी शिक्षा की ज़िम्मेदारी लेने का काम किया। सत्र 2018 से फार्फ का प्रयास है की कैसे कुछ सरकारी विघालयो (जैसे–जोरई , भिखारीरामपुर और महुआपुर) मे डीजिटल क्लासों के ज़रिये इन स्कूलों की गुडवत्ता को बढ़ाया जाये । इसमें आने वाले समय मे देश - विदेश मे बसे कई भारतियों की स्वैच्छिक मदद ली जायेगी।

आदर्श गाँव

भदोही मे कुछ गाँवों को आदर्श बनाने के लिये गाँवों मे सफ़ाई , खुली बैठक, पेंशन योजना का लाभ आदि लोगों को दिलवाने का काम अभी तक किया है। ज़रूरत पड़ने पर संस्था ने जनसुनवायी या अधिकारियों से बातचीत के माध्यम से समस्याओं को सुलझाने मे कामयाब हासिल की है।

ग्रामीणशोध

फार्फ ने 2017-2018 मे जैवियर स्कुल आफ रूरल मैनेजमेण्ट, भुवनेश्वर (**XLRM Bhubaneshwar)** के साथ मिलकर कालेज के 4 एमबीए छात्रों और 2 छात्राओं को भदोही मे गांवो मे 45 दिन रखकर ग्रामीण विषयों पर शोध कराकर तत्कालीन डीएम श्री विशाख अय्यर को सौंपने का काम किया । जिन तीन विषयों पर शोध हुये, उनके नाम थे : 1. ओ डी एफ की भदोही मे स्थिति 2. मनरेगाकी भदोही मे स्थिति 3. भदोही का क़ालीन उघोग

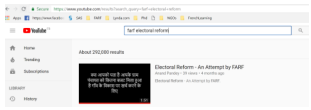

डाक्युमेन्टरी फ़िल्म

भदोही जनपद के मुलभूत समस्याओं जैसे सड़क , बिजली , खेलकूद का स्टेडियम आदि पर डाक्युमेन्टरी फ़िल्म बना कर सरकार और प्रशासन के सामने रखने का काम किया। कुछ मामलों मे तत्कालीन डीएम श्री विशाख अय्यर ने तुरन्त संज्ञान मे लेकर कार्यवाही भी की।

नि:शुल्क डीजिटल सेवा

फार्फ ने **CSC** और **VLE** के माध्यम से भदोही जनपद मे विविध प्रमाण पत्र , बिजली का भुगतान आदि की व्यवस्थता की है। ग़रीबों के लिये सभी सेवायें नि:शुल्क प्रदान करवाया गयी और करीब ३५ बुज़ुर्गों, विकलांगों को इस योजना से लाभ मिला ।

सरकार और जनता के बीच पुल का काम

सरकार द्वारा चलाये गये “सरकार आपके द्वार” की जानकारी को जनता के बीच पहुँचाने का काम किया ताकि ज़्यादा से ज़्यादा जनता सरकार की योजनाओं का लाभ ले सकें।

चुनावी सुधार और लोकतन्त्र की सेवा

गाँव के चुनाव से लेकर विधानसभा चुनाव तक तक फार्फ का प्रयास रहा है की उम्मीदवारों के कार्यों और उनके विजन को जनता के सामने रखा जाय ताकी जनता बिना किसी जाति-भेद के, बिना किसी एक पार्टी के अंध वोटर ना होकर उस उम्मीदवार का चुनाव कर सकें जो उनके क्षेत्र का विकास कर सकें ।

ग्रामीण विकास मे फार्फ की चुनौतियाँ

लगातार किये जा रहे प्रयासों से फार्फ को तीन वर्षों मे कुछ सफलता तो ज़रूर मिली है पर कई मामलों पर अभी भी संस्था को वांछित सफलता नही मिल पायी है। उदाहरण के तौर पर, राशन मे धाँधली , ग्राम समाज की ज़मीन पर दबंग लोगों का कब्जा आदि ।

कुछेक विफलताओं के पीछे एक प्रमुख कारण यह रहा है की हम सब को चुने गये प्रतिनिधियों से अपेक्षित सहयोग नही मिल पा रहा है। यह बात वर्तमान सरकार और पिछली सरकार दोनो के लिये लागू होता है। अभी तक ऐसा पाया गया है की चुने गये प्रतिनिधि फार्फ से थोड़ी दूरी बनाकर चलना चाहते हैं और एक सहयोग का सामंजस्य इसलिये नहीं कर पा रहे क्योंकि उन्हें कई बार लगता है की वोह ऐसी जगह या ऐसे विषयों मे क्यों पड़े जहाँ उन्हें मालूम है की फार्फ संस्था द्वारा बराबर मुलभुत सुविधाओं को लेकर सवाल उठाये जायेगे। प्रतिनिधियों को यह पता है की उनके वोट बैंक को फार्फ से कोई ख़तरा नहीं है।

कुछेक मामलों मे तो हम सब द्वारा विधायकों को बार-बार बात करने के बावजूद केवल आश्वासन ही मिल पाया, पर कुछ भी सहयोग नही मिला । हम सबके सामने बड़ी चुनौतियाँ है की कैसे सरकार, प्रतिनिधियों और प्रशासन से सहयोग लेकर काम किया जाये। इन चुनौतियों के लिये जनता भी कहीं ना कही मुख्य दोषी है जो आज जातिगत या अन्य कारणों से अपने आपको एक राजनीतिक पार्टी का भक्त घोषित कर लिया है ज़बकि प्रबुद्ध जन समूह को चाहिये की वोह मुद्दों के आधार पर प्रतिनिधियों को चुने और हर पाँच साल मे काम का अवलोकन करें।

फार्फ एक बार फिर से भदोही की प्रबुद्ध जन समूह से अपील करती है की आइये हम सब एक हो जाये और बस भदोही की समस्याओं पर अपने प्रतिनिधियों को चूने और फिर हर साल काम का अवलोकन करके फिर एक अच्छे उम्मीदवार को चुनें । अगर आप ऐसा नही करेंगे तो हमें-आपको बस वोट बैक के तौर पर इस्तेमाल होता रहेगा और मुलभूस समस्याओं से ऐसे ही जुझते रहेंगे। अगर बस 1000 प्रबुद्ध लोंग आज फार्फ के साथ खडे हो जायें तो वोह दिन दूर नहीं जब भदोही को मुलभूत सुविधाओ के जुझना नहीं पडेगा.